

बिहार विधान-सभा वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बृहस्पतिवार, तिथि २० सितम्बर, १९५६ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय उपाध्यक्ष श्री जगत नारायण लाल के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर

Short Notice Questions and Answers.

गैर-कानूनी बसों का चलना ।

अ—८७ । श्री राम नरेश सिंह—क्या मंत्री, राजनीति (परिवहन) विभाग, यह बताने

की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत औरंगाबाद-दाऊदनगर रोड में टैक्सी और कुछ बसें गैरकानूनी बिना परमिट के चला करती हैं ;

(२) क्या यह बात सही है कि राज्य ट्रांसपोर्ट के स्टेशन ऑफिसर ने इसकी रिपोर्ट कई बार लोकल पुलिस ऑफिसर को तथा अपने डिपार्टमेंट के ऊपर के अधिकारियों को भेजी है ;

(३) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद के पुलिस ऑफिसर तथा राज्य ट्रांसपोर्ट विभाग ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है ;

(४) क्या यह बात सही है कि सेक्रेटरी, रिजनल ट्रांसपोर्ट, साउ-बिहार को भी इसकी सूचना दी गई थी ;

(५) (६) क्या यह बात सही है कि नाजायज टैक्सी और बसें चलने से राज्य ट्रांसपोर्ट विभाग को काफी घाटा उठाना पड़ता है ;

(७) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस पर कौन-सी कार्रवाई करने को सोचती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) इसकी सूचना मिली है ।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) उत्तर नकारात्मक है । इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्रवाई करने की जिम्मेदारी आरक्षी एवं दक्षिण बिहार क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारी को है । राज्य यातायात विभाग ने उन्हें उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है ।

(४) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(५) अप्राधिकृत टैक्सी एवं बसों के चलने के फलस्वरूप राज्य ट्रांसपोर्ट की दैनिक आय में कमी होती है ।

प्रमण्डल प्रबन्धक, राज्य ट्रांसपोर्ट, गया एवं आरक्षी विभाग के प्रतिवेदन की प्राप्ति के बाद सरकार इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के हेतु विचार करेगी ।

अ—सदस्य की अनुपस्थिति में श्री शिवभजन सिंह के अनुरोध पर उत्तर दिया गया ।

## COMPLAINT AGAINST LAURIA SUGAR FACTORY.

**\*483. Shri HARIBANS SAHAY :** Will the Minister in charge of the Development (Cane) Department be pleased to state—

(1) whether it is a fact that complaints against Lauria Sugar Factory of Champaran were filed in April, 1956 to the Cane Commissioner and other officers alleging that (i) money was demanded by the purzi section of the staff of the said factory, (ii) cane was purchased at lower price than prescribed rate by the members of the staff and the agents, (iii) cane was purchased arbitrarily and unequitably from the growers of the area.

(2) whether it is a fact that enquiries into the allegations were made by the Cane Inspector of the area and even some Higher Officer of the Department ;

(3) whether it is a fact that report of the enquiries was submitted to the Cane Commissioner in April ;

(4) whether it is a fact that no action on the report of the Cane Inspector has been taken as yet, if not why ; and if taken, what ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) उत्तर नकारात्मक है । ईल निरीक्षक का काम प्रतिवेदन मई के आखिर में प्राप्त हुआ था ।

(४) उत्तर नकारात्मक है । ईल निरीक्षक की रिपोर्ट मिलने के बाद मिल के अधिकारियों से कुछ और सफाई मांगी गई है । मिल के उत्तर मिलने के बाद ही उचित कार्रवाई की जा सकेगी ।

श्री हरिवंश सहाय—क्या मिल का उत्तर अभी तक नहीं आया ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—जी हाँ, अभी उत्तर नहीं आया है ।

श्री हरिवंश सहाय—तो क्या इसका उत्तर दूसरे सत्र के बाद आवेगा ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—मैं नहीं कह सकता हूँ ।

श्री हरिवंश सहाय—तब उस पर कार्रवाई कब होगी ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—इसके लिये तकाजा किया गया है ।

श्री हरिवंश सहाय—मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि सरकार का ध्यान आरोप के सीरीयसनेस की ओर गया है या नहीं ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—बहुत जोर से गया है ।